प्रदेश के किसान निर्यात हेतु करेंगे ज्वार का उत्पादन

दि ग्राम टुडे, कानपुर।
(संजय मौर्य)

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में आज यूनाइटेड सोरघम अंतरराष्ट्रीय एनजीओ (यू एस ए) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉक्टर नाटे क्लुम एवं डॉ वामदेव त्रिपाठी रीजनल डायरेक्टर एशिया पैसिफिक मिडल ईस्ट एवं नॉर्थ अफ्रीका के साथ ही हिल इंडिया लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी,कानपुर मंडल के विभिन्न एफपीओ/एनजीओ एवं विश्वविद्यालय के निदेशकों के साथ ज्वार उत्पादन एवं गुणवत्ता तथा मूल्य संवर्धन हेतु गहन चर्चा की। बैठक में चर्चा हुई बैठक में चर्चा हुई ज्वार की उत्कृष्ट गुणवत्ता बनाकर अंतरराष्ट्रीय बाजार में भेजा जाए। जिससे कृषक की आय में वृद्धि की जा सके। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने बैठक में पधारे सभी एफपीओ प्रतिनिधियों से ज्वार उत्पादन बढ़ाने की अपील की एवं डॉक्टर क्लुम

द्वारा दिए गए व्याख्यान का हिंदी रूपांतरण किया।बदलते मौसम एवं परिस्थितियों में ज्वार की उपयोग को बढ़ाने मानव के स्वास्थ्य के साथ-साथ जलवायु, मृदा एवं पर्यावरण अनुकूलन हेतु ज्वार की गुणवत्ता पर विस्तार से चर्चा की गई। वैज्ञानिकों द्वारा कृषकों को ज्वार उत्पादन में आ रही समस्याओं का निस्तारण भी किया गया। इस अवसर पर यह भी चर्चा की गई की सभी संगठन आपस में मिलकर एक दूसरे के सहयोगी बने जिससे उनके उत्पाद को एक नई दिशा मिल सके। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डॉ विजय यादव ने बताया कि विश्वविद्यालय में शीघ्र मिलेट्स के प्रसंकरण पर कार्य प्रारंभ किया जाएगा जिससे यहां कोई भी एफपीओ अपने उत्पाद का एक निर्धारित दर पर प्रसंस्करण करा सकता है। निदेशक शोध डॉ पीके सिंह ने सभी लोगों का स्वागत करते हुए ज्वार उत्पादन के साथी विश्वविद्यालय द्वारा विकसित विभिन्न फसलों की प्रजातियां एवं तकनीकियों आदि के बारे में जानकारी दी ।जबकि निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव द्वारा फतेहपुर, कानपुर देहात ,कानपुर नगर के एफपीओ के साथ समन्वय बनाकर फतेहपुर के किसानों का वीडियो कॉन्फ्रेंस द्वारा संवाद कराया गया।साथ ही संगठन द्वारा इसकी आवश्यकता के अनुरूप विश्वविद्यालय के कार्य क्षेत्र में संचालित 15 कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा ज्वार उत्पादन के प्रोत्साहन हेतु तकनीकी ज्ञान, कृषक प्रशिक्षण आदि की बात कही। बैठक के बाद सभी प्रतिभागियों ने ज्वार फसल का निरीक्षण भी किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारियों सहित एवं गैर जनपदों से आए हुए प्रगतिशील किसानों ने भी सहभागिता की।

प्रदेश के किसान निर्यात के लिए करेंगे ज्वार का उत्पादन

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में आज यूनाइटेड सोरघम अंतरराष्ट्रीय एनजीओ (यू एस ए) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉक्टर नाटे ब्लूम एवं डॉ बामदेव त्रिपाठी रीजनल डायरेक्टर एशिया पेसिफिक मिडल ईस्ट एवं नॉर्थ अफ्रीका के साथ ही हिल इंडिया लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी,कानपुर मंडल के विभिन्न एफपीओ/एनजीओ एवं विश्वविद्यालय के निदेशकों के साथ ज्वार उत्पादन एवं गुणवत्ता तथा मूल्य संवर्धन हेतु गहन चर्चा की। बैठक में चर्चा हुई बैठक में चर्चा हुई ज्वार की उत्कृष्ट गुणवत्ता बनाकर अंतरराष्ट्रीय बाजार में भेजा जाए। जिससे कृष्ण की आय में वृद्धि की जा सके। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने बैठक में पधारे सभी एफपीओ प्रतिनिधियों से ज्वार उत्पादन बढ़ाने की अपील की एवं डॉक्टर ब्लूम द्वारा दिए गए व्याख्यान का हिंदी रूपांतरण किया।बदलते मौसम एवं परिस्थितियों में ज्वार की उपयोग को बढ़ाने मानव के स्वास्थ्य के साथ-साथ जलवायु, मृदा एवं पर्यावरण अनुकूलन हेतु ज्वार की गुणवत्ता पर विस्तार से चर्चा की गई। वैज्ञानिकों द्वारा कृषकों को ज्वार उत्पादन में आ रही समस्याओं का निस्तारण भी किया गया। इस अवसर पर यह भी चर्चा की गई की सभी संगठन आपस में मिलकर एक दूसरे के सहयोगी बने जिससे उनके उत्पाद को एक नई दिशा मिल सके। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के निदेशकबीज एवं प्रक्षेत्र डॉ विजय यादव ने बताया कि विश्वविद्यालय में शीघ्र मिलेट्स के प्रसंकरण पर कार्य प्रारंभ किया जाएगा जिससे यहां कोई भी एफपीओ अपने उत्पाद का एक निर्धारित दर पर प्रसंस्करण करा सकता है। निदेशक शोध डॉ पीके सिंह ने सभी लोगों का स्वागत करते हुए ज्वार उत्पादन के साथी विश्वविद्यालय द्वारा विकसित विभिन्न फसलों की प्रजातियां एवं तकनीकियों आदि के बारे में जानकारी दी ।जबकि निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव द्वारा फतेहपुर, कानपुर देहात ,कानपुर नगर के एफपीओ के साथ समन्वय बनाकर फतेहपुर के किसानों का वीडियो कॉन्फ्रेंस द्वारा संवाद कराया गया।साथ ही संगठन द्वारा इसकी आवश्यकता के अनुरूप विश्वविद्यालय के कार्य क्षेत्र में संचालित 15 कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा ज्वार उत्पादन के प्रोत्साहन हेतु तकनीकी ज्ञान, कृषक प्रशिक्षण आदि की बात कही। बैठक के बाद सभी प्रतिभागियों ने ज्वार फसल का निरीक्षण भी किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारियों सहित एवं गैर जनपदों से आय हुए प्रगतिशील किसानों ने भी सहभागिता की।

सत्य का असर समाचार पत्र

08,09, 2024jksingh,hardoi agmail com मोबाइल नंबर 9956834016,
पेज 5

सत्य का असर समाचार पत्र **पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल**

कानपुर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने निदेशकों के साथ ज्वार उत्पादन एवं गुणवत्ता तथा मूल्य संवर्धन हेतु की गहन चर्चा प्रदेश के किसान निर्यात हेतु करेंगे ज्वार का उत्पादन

पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल
सत्य का असर समाचार पत्र

कानपुर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में आज यूनाइटेड सोरघम अंतरराष्ट्रीय एनजीओ (यू एस ए) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉक्टर नाटे ब्लूम एवं डॉ बामदेव त्रिपाठी रीजनल डायरेक्टर एशिया पेसिफिक मिडल ईस्ट एवं नॉर्थ अफ्रीका के साथ ही हिल इंडिया लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी,कानपुर मंडल के विभिन्न एफपीओ/एनजीओ एवं विश्वविद्यालय के निदेशकों के साथ ज्वार उत्पादन एवं गुणवत्ता तथा मूल्य संवर्धन हेतु गहन चर्चा की। बैठक में चर्चा हुई बैठक में चर्चा हुई ।ज्वार की उत्कृष्ट गुणवत्ता बनाकर अंतरराष्ट्रीय बाजार में भेजा जाए। जिससे कृष्ण की आय में वृद्धि की जा सके। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने बैठक में पधारे सभी एफपीओ प्रतिनिधियों से ज्वार उत्पादन बढ़ाने की अपील की एवं डॉक्टर ब्लूम द्वारा दिए गए व्याख्यान का हिंदी रूपांतरण किया। बदलते मौसम एवं परिस्थितियों में ज्वार की उपयोग को बढ़ाने मानव के स्वास्थ्य के साथ-साथ जलवायु, मृदा एवं पर्यावरण अनुकूलन हेतु ज्वार की गुणवत्ता पर विस्तार से चर्चा की गई। वैज्ञानिकों द्वारा कृषकों को ज्वार उत्पादन में आ रही समस्याओं का निस्तारण भी किया गया। इस अवसर पर यह भी चर्चा की गई की सभी संगठन आपस में मिलकर एक दूसरे के सहयोगी बने जिससे उनके उत्पाद को एक नई दिशा मिल सके। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के निदेशकबीज एवं प्रक्षेत्र डॉ विजय यादव ने बताया कि विश्वविद्यालय में शीघ्र मिलेट्स के प्रसंकरण पर कार्य प्रारंभ किया जाएगा जिससे यहां कोई भी एफपीओ अपने उत्पाद का एक निर्धारित दर पर प्रसंस्करण करा सकता है। निदेशक शोध डॉ पीके सिंह ने सभी लोगों का स्वागत करते हुए ज्वार उत्पादन के साथी विश्वविद्यालय द्वारा विकसित विभिन्न फसलों की प्रजातियां एवं तकनीकियों आदि के बारे में जानकारी दी ।जबकि निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव द्वारा फतेहपुर, कानपुर देहात ,कानपुर नगर के एफपीओ के साथ समन्वय बनाकर फतेहपुर के किसानों का वीडियो कॉन्फ्रेंस द्वारा संवाद कराया गया।साथ ही संगठन द्वारा इसकी आवश्यकता के अनुरूप विश्वविद्यालय के कार्य क्षेत्र में संचालित 15 कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा ज्वार उत्पादन के प्रोत्साहन हेतु तकनीकी ज्ञान, कृषक प्रशिक्षण आदि की बात कही। बैठक के बाद सभी प्रतिभागियों ने ज्वार फसल का निरीक्षण भी किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारियों सहित एवं गैर जनपदों से आय हुए प्रगतिशील किसानों ने भी सहभागिता की।

Forwarded

प्रदेश के किसान निर्यात हेतु करेंगे ज्वार का उत्पादन

अनवर अशरफ

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में आज यूनाइटेड सोरघम अंतरराष्ट्रीय एनजीओ (यू एस ए) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉक्टर नाटे ब्लूम एवं डॉ बामदेव त्रिपाठी रीजनल डायरेक्टर एशिया पेसिफिक मिडल ईस्ट एवं नॉर्थ अफ्रीका के साथ ही हिल इंडिया लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी,कानपुर मंडल के विभिन्न एफपीओ/एनजीओ एवं विश्वविद्यालय के निदेशकों के साथ ज्वार उत्पादन एवं गुणवत्ता तथा मूल्य संवर्धन हेतु गहन चर्चा की। बैठक में चर्चा हुई बैठक में चर्चा हुई ।ज्वार की उत्कृष्ट गुणवत्ता बनाकर अंतरराष्ट्रीय बाजार में भेजा जाए। जिससे कृष्ण की आय में वृद्धि की जा सके। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने बैठक में पधारे सभी एफपीओ प्रतिनिधियों से ज्वार उत्पादन बढ़ाने की अपील की एवं डॉक्टर ब्लूम द्वारा दिए गए व्याख्यान का हिंदी रूपांतरण किया ।बदलते मौसम एवं परिस्थितियों में

ज्वार की उपयोग को बढ़ाने मानव के स्वास्थ्य के साथ-साथ जलवायु, मृदा एवं पर्यावरण अनुकूलन हेतु ज्वार की गुणवत्ता पर विस्तार से चर्चा की गई। वैज्ञानिकों द्वारा कृषकों को ज्वार उत्पादन में आ रही समस्याओं का निस्तारण भी किया गया। इस अवसर पर यह भी चर्चा की गई की सभी संगठन आपस में मिलकर एक दूसरे के सहयोगी बने जिससे उनके उत्पाद को एक नई दिशा मिल सके। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के निदेशकबीज एवं प्रक्षेत्र डॉ विजय यादव ने बताया कि विश्वविद्यालय में शीघ्र मिलेट्स के प्रसंकरण पर कार्य प्रारंभ किया जाएगा जिससे यहां कोई भी एफपीओ अपने उत्पाद का एक निर्धारित दर पर प्रसंस्करण करा सकता है। निदेशक शोध डॉ पीके सिंह ने सभी लोगों का स्वागत करते हुए ज्वार उत्पादन के साथी विश्वविद्यालय द्वारा विकसित विभिन्न फसलों की प्रजातियां एवं तकनीकियों आदि के बारे में जानकारी दी ।जबकि निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव द्वारा फतेहपुर, कानपुर देहात ,कानपुर नगर के एफपीओ के साथ समन्वय बनाकर फतेहपुर के किसानों का वीडियो कॉन्फ्रेंस द्वारा संवाद कराया गया ।साथ ही संगठन द्वारा इसकी आवश्यकता के अनुरूप विश्वविद्यालय के कार्य क्षेत्र में संचालित 15 कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा ज्वार उत्पादन के प्रोत्साहन हेतु तकनीकी ज्ञान, कृषक प्रशिक्षण आदि की बात कही। बैठक के बाद सभी प्रतिभागियों ने ज्वार फसल का निरीक्षण भी किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारियों सहित एवं गैर जनपदों से आय हुए प्रगतिशील किसानों ने भी सहभागिता की।

दैनिक जागरण 08/09/2024

किसानों को मिलेगा अंतरराष्ट्रीय बाजार, सीएसए का अमेरिकी संस्था से करार

- गुणवता के अभाव में चीन के ज्वार का चारे में होता है प्रयोग
- भारत में अभी सादे चार लाख मीट्रिक टन ज्वार की खेती हो रही

जासं, कानपुर : देशी ज्वार का स्वाद अमेरिका और अन्य देशों को अच्छा लग रहा है। ज्वार को पोषक भोजन के तौर पर प्रोत्साहित करने वाली अमेरिकी संस्था सोरघम यूनाइटेड के सीईओ नाटे ब्लम ने शनिवार को चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में ज्वार उत्पादक किसानों से कहा कि अमेरिका समेत दुनिया के देश भारत का ज्वार खरीदने के लिए तैयार हैं। उन्होंने ज्वार की खेती और बाजार प्रोत्साहन के लिए विश्वविद्यालय के कुलपति डा. आनंद कुमार सिंह के साथ एक समझौता ज्ञापन भी किया और कहा कि भारत के किसानों को अंतरराष्ट्रीय बाजार दिलाने में उनकी संस्था मदद करेगी।

किसानों को अंतरराष्ट्रीय बाजार दिलाने में अमेरिकी संस्था और सीएसए मिलकर काम करेंगे। विश्वविद्यालय के निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डा. विजय यादव ने बताया कि विश्वविद्यालय में शीघ्र मिलेट्स के प्रसंकरण पर कार्य प्रारंभ किया जाएगा जिससे यहां कोई भी एफपीओ अपने उत्पाद का एक निर्धारित दर पर प्रसंस्करण करा सकेगा। निदेशक शोध डा. पीके सिंह ने ज्वार उत्पादन के बारे में जानकारी साझा की। निदेशक प्रसार डा. आरके यादव ने 15 कृषि विज्ञान केंद्रों से ज्वार खेती का प्रशिक्षण दिलाने की जानकारी दी। उन्होंने फतेहपुर, कानपुर देहात ,कानपुर नगर के एफपीओ के साथ अमेरिकी संस्था के प्रतिनिधियों की वीडियो कांफ्रेंस मीटिंग भी कराई। इस मौके पर सारघम यूनाइटेड के क्षेत्रीय निदेशक एशिया पैसेफिक मिडल ईस्ट एवं उत्तरी अफ्रीका डा. बामदेव त्रिपाठी, हिल इंडिया के चेयरमैन व एमडी कुलदीप सिंह भी मौजूद रहे। हिल इंडिया ने भी ज्वार किसानों को तकनीकी सहायता देने का वादा किया।

अमेरिकी संस्था सोरगम यूनाइटेड के सीईओ नेट ब्लम और सीएसए कुलपति डा .आनंद कुमार सिंह ने प्रगतिशील किसानों के साथ संवाद किया ● सीएसए

ज्वार निर्यात में भारत के लिए अवसर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति सभागार में आयोजित कार्यक्रम में सोरघम यूनाइटेड के सीईओ नाटे ब्लम ने बताया कि दुनिया के ज्वार बाजार में अभी चीन का 80 प्रतिशत कब्जा है। जबकि चीन से ज्यादा ज्वार का उत्पादन भारत में हो रहा है। भारत के लोग ज्वार का प्रयोग अपने जानवरों के चारे और भोजन में कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष मनाए जाने के बाद दुनिया का ध्यान मोटे अनाज की ओर गया है। अमेरिका व यूरोप में लोग अपने भोजन में ज्वार को शामिल कर रहे हैं, लेकिन गुणवता वाला ज्वार मिल नहीं रहा है। चीन के ज्वार को खराब गुणवता के कारण मनुष्यों के भोजन के बजाय जानवरों के चारे में ज्यादा प्रयोग किया जा रहा है। पूरी दुनिया में 60 लाख मीट्रिक टन से अधिक ज्वार की मांग है और भारत में केवल साढ़े चार लाख मीट्रिक टन ज्वार की खेती हो रही है। इसे हर हाल में बढ़ाना होगा।

आराध्या ब्रह्मा... राधा शर्मा क्राइस्ट चर्च, ... मोहम्मद आसि...

रितिका अवस्थी, डीजी कॉलेज भारती ...

24 नवंबर 2024 को होगी। सीओपी ...रने के लिए ये परीक्षा पास ...निवार्य है।

हिंदुस्तान 08/09/2024

अमेरिका और सीएसए के बीच हुआ समझौता

कानपुर, वरिष्ठ संवाददाता। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय (सीएसए) और अमेरिका की संस्था के बीच ज्वार और बाजरा का उत्पादन बढ़ाने और इसके सह उत्पादों की बिक्री के लिए आपसी समझौते पर हस्ताक्षर हुए। शनिवार को कुलपति कम्युनिटी हॉल में हुए समारोह में अमेरिकी संस्था की ओर से सॉरघम यूनाइटेड के सीईओ नाटे ब्लूम और सीएसए कुलपति प्रोफेसर अरविंद कुमार सिंह ने हस्ताक्षर किए।

इससे पहले अमेरिका से आए वरिष्ठ वैज्ञानिक नाटे ब्लूम ने कहा कि मोटा अनाज का उत्पादन करने से मृदा में सूखे से लड़ने की क्षमता पैदा हो जाती है। इससे जैव विविधता भी बढ़ती है। पक्षियों को भोजन मिल जाता है। मृदा में कार्बन की मात्रा बढ़ जाती है। प्रतिकूल मौसम और बढ़ते तापमान में भी अच्छा उत्पादन लिया जा सकता है।

शनिवार को कुलपति कम्युनिटी हॉल में हुए समारोह में हुआ समझौता।

चीन और अमेरिका सबसे बड़ा बाजार : वरिष्ठ वैज्ञानिक ब्लूम ने कहा कि अमेरिका और चीन मोटे अनाज का सबसे बड़ा बाजार बन गया है। मूल्य वर्धित बाजार बनाना जरूरी है। खानपान की शैली में जो बदलाव आ रहा है उसके अनुकूल इसे बनाना होगा। यह बाजार लगातार बढ़ता जाएगा। इससे पोषण बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि मोनोक्रॉपिंग से बचना जरूरी है। इससे मृदा की सेहत खराब होती है। जैव विविधता को नुकसान पहुंचता है।

फूड, फ्यूल फाइबर अनुप्रयोग : यूनाइटेड सारघम के एशिया पेसिफिक मिडल ईस्ट एवं नॉर्थ अफ्रीका के रीजनल डायरेक्टर डॉ. बामदेव त्रिपाठी ने कहा कि मोटे अनाज के अनेक उपयोग हैं। इसे फूड, फ्यूल और फाइबर में बदला जा सकता है।

सीएसए कुलपति डॉ.आनंद कुमा र सिंह के साथ यूएसए का प्रतिनिधिमंडल।

ज्वार की उत्कृष्ट गुणवत्ता बनाएं वैज्ञानिक-किसान, निर्यात को देंगे बढ़ावा

(आज समाचार सेवा)

कानपुर, 7 सितम्बर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में आज यूनाइटेड सोरघम अंतरराष्ट्रीय एनजीओ (यूएसए) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. नाटे ब्लूम एवं डॉ बामदेव त्रिपाठी रीजनल डायरेक्टर एशिया पेसिफिक मिडल ईस्ट एवं नॉर्थ अफ्रीका के साथ ही हिल इंडिया लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, कानपुर मंडल के विभिन्न एफपीओ/एनजीओ एवं विश्वविद्यालय के निदेशकों के साथ ज्वार उत्पादन एवं गुणवत्ता तथा मूल्य संवर्धन के लिए गहन चर्चा की। बैठक में चर्चा हुई ज्वार की उत्कृष्ट गुणवत्ता बनाकर अंतरराष्ट्रीय बाजार में भेजा जाए। जिससे कृषि की आय में वृद्धि की जा सके। सीएसएके के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने सभी एफपीओ प्रतिनिधियों से ज्वार उत्पादन बढ़ाने की अपील की एवं डॉक्टर ब्लूम द्वारा दिए गए। डा. ब्लूम ने बदलते मौसम एवं परिस्थितियों में ज्वार की उपयोग को बढ़ाने मानव के स्वास्थ्य के साथ-साथ जलवायु, मृदा एवं पर्यावरण अनुकूलन हेतु ज्वार की गुणवत्ता पर विस्तार से चर्चा की। वैज्ञानिकों ने कृषकों को ज्वार उत्पादन में आ रही समस्याओं का निस्तारण भी किया गया। यह भी चर्चा की गई कि सभी संगठन आपस में मिलकर एक-दूसरे के सहयोगी बने जिससे उनके उत्पाद को एक नई दिशा मिल सके। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के निदेशकबीज एवं प्रक्षेत्र डॉ विजय यादव ने बताया कि विश्वविद्यालय में शीघ्र मिलेट्स के प्रसंकरण पर कार्य प्रारंभ किया जाएगा जिससे यहां कोई भी एफपीओ अपने उत्पाद का एक निर्धारित दर पर प्रसंस्करण करा सकता है। निदेशक शोध डॉ पीके सिंह ने ज्वार उत्पादन के साथी विश्वविद्यालय द्वारा विकसित विभिन्न फसलों की प्रजातियां एवं तकनीकियों आदि के बारे में जानकारी दी । निदेशक प्रसार डॉ. आरके यादव ने फतेहपुर, कानपुर देहात ,कानपुर नगर के एफपीओ के साथ समन्वय बनाकर फतेहपुर के किसानों का वीडियो कॉन्फ्रेंस से संवाद कराया।

नाइटेड सोरघम अंतरराष्ट्रीय एनजीओ (यूएसए) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. नाटे ब्लूम के साथ डॉ बामदेव त्रिपाठी ने किया भ्रमण

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 16 अंक : 69 कानपुर, रविवार 08 सितम्बर 2024 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

ज्वार की उत्कृष्ट गुणवत्ता बनाकर अंतरराष्ट्रीय बाजार में होगा निर्यात

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि में शनिवार को यूनाइटेड सोरघम अंतरराष्ट्रीय एनजीओ (यूएसए) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉक्टर नाटे ब्लूम एवं डॉ बामदेव त्रिपाठी रीजनल डायरेक्टर एशिया पेसिफिक मिडल ईस्ट एवं नॉर्थ अफ्रीका के साथ ही हिल इंडिया लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मंडल के विभिन्न एफपीओ/एनजीओ एवं विश्वविद्यालय के निदेशकों के साथ ज्वार उत्पादन एवं गुणवत्ता तथा मूल्य संवर्धन हेतु गहन चर्चा की। ज्वार की उत्कृष्ट गुणवत्ता बनाकर अंतरराष्ट्रीय बाजार में भेजा जाए। जिससे कृषण की आय में वृद्धि की जा सके। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने बैठक में पधारे सभी एफपीओ प्रतिनिधियों से ज्वार उत्पादन बढ़ाने की अपील की एवं डॉक्टर ब्लूम द्वारा दिए गए व्याख्यान का हिंदी रूपांतरण किया ।बदलते मौसम एवं परिस्थितियों में ज्वार की उपयोग को बढ़ाने मानव के स्वास्थ्य के साथ-साथ जलवायु, मृदा एवं पर्यावरण अनुकूलन हेतु ज्वार की गुणवत्ता

पर विस्तार से चर्चा की गई। वैज्ञानिकों द्वारा कृषकों को ज्वार उत्पादन में आ रही समस्याओं का निस्तारण भी किया गया। इस अवसर पर यह भी चर्चा की गई की सभी संगठन आपस में मिलकर एक दूसरे के सहयोगी बने जिससे उनके उत्पाद को एक नई दिशा मिल सके। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के निदेशकबीज एवं प्रक्षेत्र डॉ विजय यादव ने बताया कि विश्वविद्यालय में शीघ्र मिलेट्स के प्रसंकरण पर कार्य प्रारंभ किया जाएगा जिससे यहां कोई भी एफपीओ अपने उत्पाद का एक निर्धारित दर पर प्रसंस्करण करा सकता है। निदेशक शोध डॉ पीके सिंह ने सभी लोगों का स्वागत करते हुए ज्वार उत्पादन के साथी विश्वविद्यालय द्वारा विकसित विभिन्न फसलों की प्रजातियां एवं तकनीकियों आदि के बारे में जानकारी दी ।जबकि निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव द्वारा फतेहपुर, कानपुर देहात ,कानपुर नगर के एफपीओ के साथ समन्वय बनाकर फतेहपुर के किसानों का वीडियो कॉन्फ्रेंस द्वारा संवाद कराया गया ।साथ ही संगठन द्वारा इसकी आवश्यकता के अनुरूप विश्वविद्यालय के कार्य क्षेत्र में संचालित 15 कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा ज्वार उत्पादन के प्रोत्साहन हेतु तकनीकी ज्ञान, कृषक प्रशिक्षण आदि की बात कही। बैठक के बाद सभी प्रतिभागियों ने ज्वार फसल का निरीक्षण भी किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारियों सहित एवं गैर जनपदों से आय हुए प्रगतिशील किसानों ने भी सहभागिता की।